भगवान शिव के मंत्र

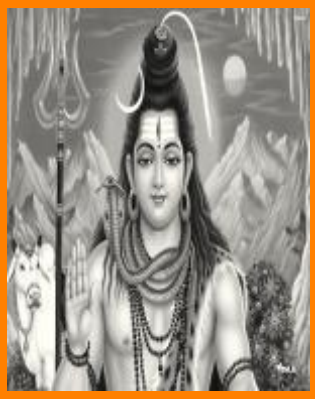

मनोवांछित फल पाने के लिए शिवजी के मंत्र
मनोवांछित फल प्राप्त करने के लिए शिव जी के इस मंत्र का जाप करना चाहिए:

नागेंद्रहाराय त्रिलोचनाय भस्मांग रागाय महेश्वराय
नित्याय शुद्धाय दिगंबराय तस्मे न काराय नमः शिवायः॥
मंदाकिनी सलिल चंदन चर्चिताय नंदीश्वर प्रमथनाथ महेश्वराय
मंदारपुष्प बहुपुष्प सुपूजिताय तस्मे म काराय नमः शिवायः॥
शिवाय गौरी वदनाब्जवृंद सूर्याय दक्षाध्वरनाशकाय
श्री नीलकंठाय वृषभद्धजाय तस्मै शि काराय नमः शिवायः॥
अवन्तिकायां विहितावतारं मुक्तिप्रदानाय च सज्जनानाम्।
अकालमृत्योः परिरक्षणार्थं वन्दे महाकालमहासुरेशम्।।

Manovanchhita phal prapta karane ke liye shiv ji ke is mantra ka jaap kare.
Nagendraharaya trilacanaya bhasmanga ragaya mahesvaraya
nityaya suddhaya digambaraya tasme na karaya nama: shivaya
Mandakini salila candana carcitaya nandisvara pramathanatha mahesvaraya
mandarapuspa bahupuspa supujitaya tasme ma karaya namah shivaya
Shivaya gauri vadanabjavrnda suryaya daksadhvaranasakaya
shri nilakanthaya vrsabhaddhajaya tasmai si karaya nama sivaya
Avantikayam vihitavataram muktipradanaya ca sajjananam.
Akalamrtyoh Pariraksanarthan vande mahakalamahasuresam
****

स्वास्थ्य प्राप्ति के लिए शिवजी के मंत्र

निरोग रहने और अच्छे स्वास्थ्य के लिए शिव जी के इस मंत्र का जाप करना चाहिए:

सौराष्ट्रदेशे विशदेऽतिरम्ये ज्योतिर्मयं चन्द्रकलावतंसम्।
भक्तिप्रदानाय कृपावतीर्णं तं सोमनाथं शरणं प्रपद्ये ।।
कावेरिकानर्मदयो: पवित्रे समागमे सज्जनतारणाय।
सदैव मान्धातृपुरे वसन्तमोंकारमीशं शिवमेकमीडे।।

Saurastradese visadetiramye jyotirmayam candrakalavatansam.
Bhaktipradanaya krpavatirnam tan somanatham saranam prapadye
Kaverikanarmadayoh Pavitre samagame sajjanataranaya
Sadaiva mandhatrpure vasantamonkaramisam sivamekamide.

****

शिव जी की पूजा के दौरान इन मंत्रो का जाप करना चाहिए-

शिव जी की पूजा के दौरान इस मंत्र के द्वारा उन्हें स्नान समर्पण करना चाहिए-

ॐ वरुणस्योत्तम्भनमसि वरुणस्य सकम्भ सर्ज्जनीस्थो |
वरुणस्य ऋतसदन्यसि वरुणस्य ऋतसदनमसि वरुणस्य ऋतसदनमासीद् ||

om varunasyottambhanamasi varunasya sakambh sarjjaneestho |
Varunasya ritsadanyasi varunasya ritsadanamasi varunasya ritsadanmaaseed ||

****

भगवान शिव की पूजा करते समय इस मंत्र के द्वारा उन्हें यज्ञोपवीत समर्पण करना चाहिए-

ॐ ब्रह्म ज्ज्ञानप्रथमं पुरस्ताद्विसीमतः सुरुचो वेन आवः |
स बुध्न्या उपमा अस्य विष्ठाः सतश्च योनिमसतश्च विवः ||

Om Brahm Jgyaanaprathamam Purastaadvisematah Surucho Ven Aavah |
Sa Budhnyaa Upma Asya Vishthah Satashch Yonimastashch Vivah ||

****

शिवजी की पूजा में इस मंत्र के द्वारा भगवान भोलेनाथ को गंध समर्पण करना चाहिए-

ॐ नमः श्वभ्यः श्वपतिभ्यश्च वो नमो नमो भवाय च रुद्राय च नमः |
शर्वाय च पशुपतये च नमो नीलग्रीवाय च शितिकण्ठाय च ||
Om Namah Shvabhyah Shvapatibhyashch Vo Namo Namo Bhavaay Ch Rudraay Ch Namah |
Sharvaay Ch Pashupataye Ch Namo Neelgreevaay Ch Shitikanthaay Ch ||

****

शिव की पूजा में इस मंत्र के द्वारा अर्धनारीश्वर भगवान भोलेनाथ को धूप समर्पण करना चाहिए-

ॐ नमः कपर्दिने च व्युप्त केशाय च नमः सहस्त्राक्षाय च शतधन्वने च |
नमो गिरिशयाय च शिपिविष्टाय च नमो मेढुष्टमाय चेषुमते च ||
Om Namah Kapardine Ch Vyupt Keshaay Ch Namah Sahastrakshaay Ch Shatdhanvane Ch |
Namo Girishayaay Ch Shipivishtaay Ch Namo Medhushtamaay Cheshumate Ch ||

****

भगवान भोलेनाथ की पूजा के दौरान इस मंत्र के द्वारा त्रिलोचनाय भगवान शिव को पुष्प समर्पण करना चाहिए-

ॐ नमः पार्याय चावार्याय च नमः प्रतरणाय चोत्तरणाय च |
नमस्तीर्थ्याय च कूल्याय च नमः शष्प्याय च फेन्याय च ||
Om Namah Paaryaay Chaavaaryaay Ch Namah Prataranaay Chottaranaay Ch |
Namasteerthyaay Ch Koolyaay Ch Namah Shashpyaay Ch Fenyaay Ch ||

****

इस मंत्र के द्वारा चन्द्रशेखर भगवान भोलेनाथ को नैवेद्य अर्पण करना चाहिए-

ॐ नमो ज्येष्ठाय च कनिष्ठाय च नमः पूर्वजाय चापरजाय च |
नमो मध्यमाय चापगल्भाय च नमो जघन्याय च बुधन्याय च ||
Om Namo Jyeshthaay Ch Kanishthay Ch Namah Poorvajaay Chaaparjaay Ch |
Namo Madhyamaay Chaapgalbhaay Ch Namo Jaghnyaay Ch Budhnyaay Ch ||

****

शिव पूजा के दौरान इस मंत्र के द्वारा भगवान शिव को ताम्बूल पूगीफल समर्पण करना चाहिए-

ॐ इमा रुद्राय तवसे कपर्दिने क्षयद्वीराय प्रभरामहे मतीः |
यशा शमशद् द्विपदे चतुष्पदे विश्वं पुष्टं ग्रामे अस्तिमन्ननातुराम् ||
Om Imaa Rudraay Tavase Kapardine Kshaydveeraay Prabhramahe Mateeh |
Yasha Shamshad Dvipade Chatushpade Vishwam Pushtam Grame Astimannanaaturam ||

****

भगवान शिव की पूजा करते समय इस मंत्र से भोलेनाथ को सुगन्धित तेल समर्पण करना चाहिए-

ॐ नमः कपर्दिने च व्युप्त केशाय च नमः सहस्त्राक्षाय च शतधन्वने च |
नमो गिरिशयाय च शिपिविष्टाय च नमो मेढुष्टमाय चेषुमते च ||
Om Namah Kapardine Ch Vyupt Keshaay Ch Namah Sahastraakshaay Ch Shatdhanvane Ch |
Namo Girishayaay Ch Shipivishtaay Ch Namo Medhushtmaay Cheshumate Ch ||
****

इस मंत्र के द्वारा भगवान भोलेनाथ को दीप दर्शन कराना चाहिए-

ॐ नमः आराधे चात्रिराय च नमः शीघ्रयाय च शीभ्याय च |
नमः ऊर्म्याय चावस्वन्याय च नमो नादेयाय च द्वीप्याय च ||Om namah aaradhe chaatriraay ch namah sheeghrayaay ch sheebhyaay ch |
namah urmyaay chaavasvanyaay ch namo naadeyaay ch dveepyaay ch ||
****

इस मंत्र से भगवान शिवजी को बिल्वपत्र समर्पण करना चाहिए-

दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनं पापनाशनम् |
अघोरपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम् ||
Darshanam Bilvapatrasya Sparshanam Paapnaashanam |
Aghorpaapsanharam Bilvapatram Shivarpanam ||
****